आकाशवाणी

देहरादून (उत्तराखण्ड)

रविवार 04.05.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- भू–बैकुंठ श्री बदरीनाथ धाम के कपाट आज पूरे विधि–विधान के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं। कपाटोद्घाटन के अवसर पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गयी।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– केंद्र और राज्य सरकार उत्तराखंड के विभिन्न धार्मिक स्थलों को पुनर्जीवित कर उन्हें वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने का काम कर रही है।
- राज्य में चारधाम यात्रा सुचारू रूप से जारी, अबतक करीब 1 लाख 50 हजार श्रद्धालुओं ने किए दर्शन। सरकार ने बीकेटीसी के नए अध्यक्ष की घोषणा की।
- मौसम विभाग ने राज्य के अधिकांश जिलों में 8 मई तक बारिश की चेतावनी जारी की है।

बदरीनाथ धाम

चमोली जिले में स्थित श्री बदरीनाथ धाम के कपाट आज पूरे विधि–विधान के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं। चमोली से हमारे संवाददाता ने बताया कि कपाटोद्घाटन के शुभ अवसर पर धाम में उपस्थित देश और दुनिया के 15 हजार से अधिक श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। और अधिक हमारे संवाददाता से––

श्रद्धा, भक्ति और आस्था के अनूठे संगम के बीच आज आज सुबह 06 बजे शुभ मुहूर्त पर, भगवान विष्णु को समर्पित श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट खोले गए। शुभ मुहूर्त पर बद्रीनाथ धाम के मुख्य पुजारी रावल जी, धर्माधिकारी व वेदपाठियों द्वारा मंदिर में विशेष पूजा–अर्चना की गई। इससे पहले विधि विधान से माता लक्ष्मी को गर्भ गृह से निकालकर मंदिर की परिक्रमा कराकर लक्ष्मी मंदिर में विराजमान किया गया। तत्पश्चात भगवान कुबेर जी व उद्धव जी को बद्री विशाल मंदिर के गर्भ गृह में विराजित किया गया।

अब अगले छह माह तक बैकुण्ठ धाम में भगवान की चतुर्भुज मूर्ति के साथ–साथ उद्धव, कुबेर, नारद और नर नारायण के दिव्य दर्शन श्रद्धालु प्रतिदिन कर सकेंगे। मुख्य मंदिर के साथ ही बदरीनाथ धाम मंदिर परिक्रमा स्थित गणेश, घटाकर्ण, आदि केदारेश्वर और आदि गुरु शंकराचार्य मंदिर व माता मूर्ति मंदिर के कपाट भी इस यात्रा के लिए श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं।

कपाटोद्घाटन से पहले, श्री बद्रीनाथ मंदिर को लगभग 15 टन रंग–बिरंगे और सुगंधित फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था, जिसने मंदिर की सुंदरता में चार चांद लगा दिए।

श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने विशेष प्रबंध किए हैं। बदरीनाथ धाम में शुद्ध पेयजल, विश्राम गृह, बिजली, स्वास्थ्य सेवा, शौचालय और अन्य मूलभूत सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। इसके अलावा तीर्थयात्रियों की आवाजाही को बेहतर और आसान बनाने के लिए हवाई सेवा शुरू की गई है। साथ ही यात्रा मार्ग का सौंदर्यीकरण भी किया गया है। पुलिस प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि यात्रा पर आने से पहले अपना ऑफलाइन या ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अवश्य करवा लें, ताकि यात्रा प्रबंधन सुगम बना रहे।

सीएम बदरीनाथ दौरा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार देवभूमि उत्तराखंड के विभिन्न धार्मिक स्थलों को पुनर्जीवित कर उन्हें वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने का काम कर रही है। आज बदरीनाथ में विकास कार्यों का निरीक्षण करते हुए श्री धामी ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं से इस वर्ष चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या में नए कीर्तिमान स्थापित होंगे।

पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार, देश–विदेश से उत्तराखण्ड आने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम, सुरक्षित और सुखद स्मृतियों से परिपूर्ण बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं से मुलाकात कर यात्रा मार्ग पर उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं के सम्बंध में फीडबैक लिया। इसके अलावा, उन्होंने धाम में मास्टरप्लान के तहत श्रद्धालुओं–स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी भी ली। उन्होंने जिलाधिकारी को मास्टर प्लान के कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय से पूरा करने के निर्देश दिए।

बीकेटीसी अध्यक्ष

राज्य सरकार ने हेमंत द्विवेदी को बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके साथ ही सरकार ने ऋषि प्रसाद सती और विजय कपरवाण को उपाध्यक्ष नियुक्त किया है।

बीकेटीसी के नवनियुक्त अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने आज पर्यटन एवं धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज से मुलाकात की। इस अवसर पर श्री द्विवेदी ने कहा कि यात्रा को सुव्यवस्थित ढंग से चलाना उनकी प्राथमिकता होगी।

चारधाम यात्रा के लिए अब तक चौबीस लाख सैंतीस हजार चार सौ चौवालीस तीर्थयात्रियों ने अपना पंजीकरण करा लिया है, जबकि करीब डेढ़ लाख श्रद्धालु चारों धामों में पूजा–अर्चना और दर्शन कर चुके हैं। पर्यटन मंत्री ने बताया कि जीएमवीएन के अतिथि गृहों के लिए अब तक ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से ग्यारह करोड़ चौरासी लाख अठहत्तर हजार छह सौ एक रुपये से अधिक की बुकिंग हो चुकी है।

ग्रीष्मकालीन धान

ऊधमसिंह नगर जिले में करीब 1 लाख 8 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में खरीफ धान की खेती की जाती है। गिरते भूजल स्तर को देखते हुए राज्य सरकार ने किसानों की सहमति से नवंबर 2024 में ग्रीष्मकालीन धान की खेती पर रोक लगा दी गई थी। हालांकि बाद में किसानों की मांग पर सरकार ने इस साल के लिए कुछ रियायतें दी हैं। यह जानकारी देते हुए मुख्य कृषि अधिकारी डॉ अभय सक्सेना ने बताया कि ग्रीष्मकालीन धान की खेती पर रोक को लेकर नवंबर माह में लगाई गई रोक खरीफ धान की फसल पर लागू नहीं होगी। उन्होंने बताया कि किसान इसी माह से धान की नर्सरी डाल सकते हैं और अगले माह से रोपाई शुरू कर सकते हैं।

वनाग्नि तैयारी

प्रदेश में वनाग्नि की घटनाओं को रोकने के लिए वन विभाग सतर्क है। इसके लिए विभाग की ओर से विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अपर प्रमुख वन संरक्षक, अग्निशमन और आपदा प्रबंधन निशांत वर्मा ने टिहरी जिले के नरेंद्र नगर में वनाग्नि को लेकर विभाग की ओर से की गई तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि वन विभाग वनों में आग को रोकने के लिए तत्परता से काम कर रहा है। श्री वर्मा ने कहा कि जंगलों से पीरूल इकट्ठा करने से वनों में आग लगने की घटनाओं में कमी आएगी और इससे ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा।

मौसम

राजधानी देहरादून सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर दोपहर बाद तेज आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई है। पिछले तीन दिनों से रुकरुक कर हो रही बारिश से तापमान में गिरावट आने से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है।

इस बीच, मौसम विभाग ने राज्य के अधिकांश जिलों में 8 मई तक बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। विभाग ने राज्य के अधिकांश जिलों में छह मई तक बारिश का ऑरेंज अलर्ट और सात व आठ मई को बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान राज्य के अधिकांश जिलों में कहीं–कहीं हल्की से मध्यम बारिश, आकाशीय बिजली चमकने और 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफतार से झोंकेदार हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गयी है।

निर्वाचन आयोग

भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचकों और इनके अन्य हितधारकों के लिए एक नया उपयोगकर्ता– अनुकूल डिजिटल इंटरफ़ेस विकसित कर रहा है। यह नया वन–स्टॉप प्लेटफ़ॉर्म, ईसीआई–नेट, आयोग के 40 से अधिक मौजूदा **'मोबाइल और वेब'** एप्लिकेशनों को एकीकृत करेगा और उन्हें अनुकूल बनाएगा। ईसीआई– नेट में एक सुंदर यूजर इंटरफेस और एक सरलीकृत यूजर एक्सपीरियंस होगा, जो चुनाव– संबंधित सभी गतिविधियों के लिए एक एकल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगा। ईसीआई– नेट उपयोगकर्ताओं को अपने डेस्कटॉप या स्मार्टफ़ोन पर सुसंगत चुनावी डेटा तक पहुँचने में भी सक्षम बनाएगा।